राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान
National Institute of Pharmaceutical Education and Research (NIPER)
(Ministry of Chemicals and Fertilizers)
Sector 67, S.A.S. Nagar, Punjab
Ph. No. 0172-2214682,83, 88, 2292000

Date: 11.11.2022

PHARMACON-2022 (day-2)

The National Institute of Pharmaceutical Education and Research (NIPER), SAS Nagar is organizing an International Conference on "Recent Trends and Future Opportunities in Pharmaceuticals" NIPER-PHARMACON-2022 from 10th to 12th November, 2022.

On Day-2 i.e. on 11.11.2022 there were four technical sessions. The international speakers and speakers from academia and industry talked in their areas of expertise.

The theme of the first session of the day was: Recent Developments in Immunotherapy and Biologicals". There were five lectures followed by the Panel Discussion on Immunotherapy and Biologicals. The first talk was by Prof. Enoch Y Park, Shizuoka University, Japan on "Display technology in virus-like particles using silkworm expression system". It was followed by the talk of Dr. Taruna Madan, ICMR,-NIRRH, Mumbai. The topic was "Recombinant human innate immune proteins for therapy of prostate cancer". The session was further continued by the talk of Prof. Abhay H. Pande, NIPER SAS Nagar on "Engineered proteins - A new era of biopharmaceuticals innovation". Then there was a talk by Dr. Kausik Chattopadhyay, IISER, Mohali. The topic of his talk was "Bacterial pore-forming toxins: Structural basis of membrane-damaging virulence mechanism". It was followed by the last talk of the session by Dr. Ravi Pratap Narayan Mishra from IMTECH, Chandigarh on "The rational design of vaccines against bacterial and viral pathogens".

The theme of next session was "Challenges in Key intermediates and APIs (Active Pharmaceutical Ingredients) Development". There were four lectures followed by the Panel Discussion APIs. The first lecture was delivered by Dr. Andiappan Murugan from Troikaa Pharmaceuticals. His topic was "Design Principles of APIs Development". Another talk was by Dr. Ketan Agravat of rK3 Solutions. The topic was "Nitrosamine impurities". The next talk of the session was by Dr. J. Laha from NIPER SAS Nagar. The topic was "Sustainable synthetic processes for the preparation of pharmaceutical beyond academic research".

The theme of next session was "Pharmacoinformatics and Artificial Intelligence". There were four lectures followed by the Panel Discussion on Pharmacoinformatics. The first lecture was by Prof. Rebecca Wade from ZMBH Heidelberg University, Germany. The topic was "Computer simulation of the interactions of drug molecules with polymer excipients, protein crowders and target receptors". The next lecture was by Dr. Balvinder Singh from IMTECH, Chandigarh. His topic was Computational studies on binders of immune receptors. The session was further carry forwarded the last lecture was by Dr. Shrikant S. Mantri from NABI, Mohali. The topic was "Next generation sequencing and metagenomics".

The theme of last session was “Medical Devices / Drug-Device Interactions: Path Ahead”. There were three lectures followed by the Panel Discussion on Medical Devices.
The first lecture was by Dr. Neetu Singh from IIT Delhi. The topic was “Rethinking solutions for healthcare technologies”. It was followed by the talk of Dr. Abhijit Majumdar from IIT, Mumbai. His topic was “Drug Screening microfluidic device”. The session was further followed by the talk of Dr. Sanjeev Kumar Gupta from In-trust Consulting, Navi Mumbai. The topic was “Development of in-vitro diagnostic (IVD) medical devices: Role of standards and monographs”.

In addition, there were Oral presentations selected from the abstracts submitted by Ph.D students, post doctoral researchers and young faculty members. Further, there were poster presentations also. Prizes will be awarded to the best oral and poster presenters in each session.

राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान

National Institute of Pharmaceutical Education and Research (NIPER)

(Ministry of Chemicals and Fertilizers)

Sector 67, S.A.S. Nagar, Punjab

Ph. No. 0172-2214682,83, 88, 2292000

दिनांक: 11.11.2022

फार्माकॉन - 2022 (दूसरा दिन)

राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाईपर), एसएएस नगर में 10 से 12 नवंबर, 2022 तक "रीसेंट ट्रेंड्स एंड फ्यूचर ओप्परचियुनिटीज़ इन फार्मास्युटिकल्स" पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन कर रहा है।

दूसरे दिन 11.11.2022 को चार तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया। अकादमिक एवं उद्योग जगत के वक्ताओं ने अपने क्षेत्र की विशेषज्ञता पर लेक्चर दिया।

पहले सत्र का थीम "इम्यूनोथेरेपी और जैविक विज्ञान में हालिया विकास" था । इम्यूनोथेरेपी और बायोलॉजिकल पर पैनल चर्चा के बाद पांच व्याख्यान हुए । पहला व्याख्यान प्रो. इनोक वाई पार्क, शिज़ुओका विश्वविद्यालय, जापान द्वारा "डिस्प्ले टेक्नोलॉजी इन वायरस लाइक पार्टिकल्स यूसिंग सिल्कवोर्म एक्सप्रेशन सिस्टम" विषय पर था। इसके बाद डॉ. तरुना मदान, आईसीएमआर, एनआईआरआरएच, मुंबई द्वारा लेक्चर दिया गया जिसका शीर्षक "रिकॉमबिनेंट ह्यूमन इन्ननेट इम्यून प्रोटीन्स फॉर थेरेपी ऑफ़ प्रोस्टेट कैंसर" था। इसके उपरान्त प्रो. अभय एच. पाण्डे, नाईपर, एसएएस द्वारा "इंजीनियर्ड प्रोटीन - बायोफार्मास्युटिकल्स इनोवेशन का एक नया युग" पर व्याख्यान था। तत्पश्चात डॉ. कौशिक चट्टोपाध्याय, आईआईएसईआर, मोहाली ने वार्ता की। उनके भाषण का विषय "बैक्टीरिया पोर-फॉर्मिंग टॉक्सिन्स: स्ट्रक्चरल बेसिस ऑफ मेम्ब्रेन-डैमेजिंग वायरुलेंस मैकेनिज्म" था । इसके बाद IMTECH, चंडीगढ़ के डॉ. रवि प्रताप नारायण मिश्रा द्वारा "द रैशनल डिजाईन ऑफ़ वैकसीन्स अगेंस्ट बैक्टीरियल एंड वायरल पेथोजन्स" पर सत्र की आखिरी बात की गई।

इसके उपरान्त दूसरा सत्र आयोजित किया गया जिसका थीम "चैलेंजिस इन की इंटरमेडीइट्स एंड एपीआईस (सक्रिय फार्मास्युटिकल सामग्री) विकास में चुनौतियाँ" जिसमे पैनल चर्चा, एपीआई के बाद तीन व्याख्यान थे जिसके तहत पहला भाषण ट्रोइका फार्मास्युटिकल्स के डॉ. अंदिअप्पन मुरुगन का था। उनका विषय "एपीआई विकास के डिजाइन सिद्धांत" था । अगली वार्ता आरके3 सॉल्यूशंस के डॉ. केतन अग्रवत ने दिया जिसका विषय "नाइट्रोसमाइन अशुद्धियाँ" था। सत्र की आखिरी लेक्चर नाईपर, एसएएस नगर के डॉ. जोयदेव लाहा द्वारा दिया गया जिसका विषय "सस्टेनेबल सिंथेटिक प्रोसेसेज फॉर द प्रेपरेशन ऑफ़ फार्मास्यूटिकल बियॉन्ड अकादमिक रिसर्च" था ।

तीसरे सत्र का थीम “फार्माकोइनफॉरमैटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस” था जिसमे फार्माकोइनफॉरमैटिक्स पर पैनल चर्चा के बाद चार व्याख्यान हुए जिसमे पहला व्याख्यान ZMBH हीडलबर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी से प्रो. रेबेका वेड द्वारा दिया गया जिसका विषय "कंप्यूटर सिमुलेशन ऑफ़ द इंट्रेक्शंस ऑफ़ ड्रग मोलेकूल्स विद पॉलीमर एक्सीपिएंट्स, प्रोटीन क्राउडर्स और टारगेट रिसेप्टर्स” था । अगला व्याख्यान IMTECH, चंडीगढ़ के डॉ. बलविंदर सिंह का था जिनके लेक्चर का विषय “कम्प्यूटेशनल स्टडीज ऑन बाईनडर्स ऑफ़ इम्यून रिसेप्टर्स” था। अंतिम व्याख्यान NABI, मोहाली के डॉ. श्रीकांत एस. मंत्री द्वारा प्रस्तुत किया गया जिसका विषय "नेक्स्ट जेनेरेशन सिकुएंसिंग एंड मेटाजिनोमिक्स” था।

दिन के अंतिम सत्र का थीम “चिकित्सा उपकरण / ड्रग डिवाइस इंटरेक्शंस: पाथ अहेड” था जिसमे चिकित्सा उपकरणों पर पैनल चर्चा के बाद तीन व्याख्यान हुए जिसमे पहला व्याख्यान आईआईटी दिल्ली की डॉ. नीतू सिंह ने दिया जिसका विषय "रीथिंकिंग सोलुशंस फॉर हेल्थ केयर टेक्नोलॉजीज” था । इसके बाद आईआईटी, मुंबई के डॉ. अभिजीत मजूमदार का लेक्चर हुआ जिसका विषय "ड्रग स्क्रीनिंग माइक्रोफ्लुइडिक डिवाइस" था। सत्र के बाद इन-ट्रस्ट कंसल्टिंग, नवी मुंबई से डॉ. संजीव कुमार गुप्ता की वार्ता हुई जिसका विषय "इन-विट्रो डायग्नोस्टिक (आईवीडी) चिकित्सा उपकरणों का विकास: मानकों और मोनोग्राफ की भूमिका" था।

इसके अलावा, पीएचडी छात्रों, पोस्ट डॉक्टरेट शोधकर्ताओं और युवा संकाय सदस्यों द्वारा प्रस्तुत किए गए सार से मौखिक प्रस्तुतियों का चयन किया गया था। इसके अलावा पोस्टर प्रेजेंटेशन भी हुए। प्रत्येक सत्र में सर्वश्रेष्ठ मौखिक और पोस्टर प्रस्तुतकर्ताओं को पुरस्कार प्रदान किये गए।